

प्रपत्र

मनीषा पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

देरा दो,

निदेशक,
समाज कल्याण उत्तराखण्ड,
हल्द्वारी-नैनीताल।

समाज (सौनिक) कल्याण अनुभाग-3 देहरादून दिनांक 12 अगस्त, 2009

विषय: चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या-15 के छत्रवृत्तियां और छत्रवेतन में प्राविधानित धनराशियों के संबंध में।

महोदय,

प्रयुक्त विषयक, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 515/XXVIII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुये अवगत कराना है कि शासनादेश संख्या:-262/XXVIII(1)-5/2009-09(15)/2009 दिनांक 01 अप्रैल, 2009 के द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के पूर्वदशम छत्रवृत्ति हेतु रुपये 4,21,67,000/- (रुपये चार करोड़ एकसीस लाख सड़सठ हजार मात्र) की धनराशि आयोजनेतर पक्ष में निर्गत की गयी है, लेकिन उक्त जारी स्वीकृति का उद्यम-विवरण/उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध नहीं कराया गया है। अतः इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या-15 के आयोजनेतर/आयोजनगत पक्ष में प्राविधानित धनराशि (लेखानुदान 01 अप्रैल, 2009 से 28 जुलाई, 2009 तक की पूर्व में स्वीकृत धनराशि को घटाते हुये) संलग्नक के अनुसार रुपये 08,28,33,000/- (रुपये आठ करोड़ अठ्ठइस लाख तैत्तीस हजार मात्र) की धनराशि आयोजनेतर पक्ष एवं रुपये 1,50,00,000/- (रुपये एक करोड़ पचास लाख मात्र) की धनराशि आयोजनगत पक्ष, कुल रुपये 09,78,33,000/- (रुपये नौ करोड़ अठ्ठतर लाख तैत्तीस हजार मात्र) की धनराशि को चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में वित्त विभाग के उक्त शासनादेश एवं निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या: 515/XXVIII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 में उल्लिखित समस्त शर्तों एवं दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

2. शासनादेश संख्या:-262/XVII(1)-3/2009-09(15)/2009 दिनांक 08 अप्रैल, 2009 द्वारा स्वीकृत धनराशि का उपयोजिता प्रमाण पत्र प्रेषित करते हुये निवर्तन पर रखी जा रही उक्त धनराशि की व्यय की स्वीकृति का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। शासन से व्यय की स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त ही धनराशि जनपदों को आवंटित की जायेगी।
3. आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशियों तथा अवचनबद्ध मद में प्राविधानित अन्य धनराशियों हेतु नियमानुसार पृथक से प्रस्ताव निदेशालय द्वारा शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
4. अनुदान के अंतर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेंजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कटिबाई न उत्पन्न हो।
5. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नए कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
6. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका के अंतर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
7. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहे वह वेतन आदि के संबंध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के संबंध में, सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्थायी से अनुदान संख्या-15 तथा आयोजनागत शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार, कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
8. मितव्ययता के संबंध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
9. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अंतर्गत अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
10. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्त पुस्तिका के प्राविधानों के अंतर्गत समय-सारिणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
11. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
12. समस्त चालू निर्माण कार्य, नए निर्माण कार्य, उपकरण व संयंत्र का क्रय, वाहन का क्रय एवं कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय की स्वीकृतियों के लिए औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को पृथक से उपलब्ध कराएं।
13. बी0एम0-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

14. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के अंतर्गत संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुरंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जाएगा।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(मनीषा पंवार)

सचिव।

पृष्ठक्रम संख्या: 629 (1)/(XVII)(1) 3/2009-484781-2008(TC) तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि - निम्नलिखित को सूचनाई एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव-मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महासचिव, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
5. दिदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, हल्द्वारी (वैनीताल), उत्तराखण्ड।
7. मजसत जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
9. राज्य राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन विदेशतन्त्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
- ✓ 10. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. आदेश पत्रिका।

आज्ञा से,

(आर० के० चौहान)

अनु सचिव।